Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to end reservation for those who change their religion.

डॉ. चन्द्र सेन जादौन (फिरोजाबाद) : **आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने मुझे जीरो-आवर में बोलने का अवसर प्रदान किया ।**

अध्यक्ष महोदय, भारत धर्म यात्रा का देश है । भारत की आत्मा तीर्थों में वास करती है । वसुधैव कुटुम्बकम तथा विश्व मंगल की कामना करने वाले हिन्दू समाज को वैश्विक दायित्व पूरा करने का अधिकार है और करोड़ों हिन्दू इस काम में लगे हुए हैं । भारतवर्ष में हिन्दू धर्म में चार प्रकार की जाति व्यवस्था है और वह उन ही लोगों के लिए है, जो ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हैं । जो लोग जनजाति वर्ग से अपनी जाति परिवर्तन कर चुके हैं और जनजाति वर्ग के नहीं रहे हैं, उन्हें जनजाति वर्ग में प्राप्त आरक्षण की सुविधा नहीं मिलनी चाहिए ।

ऐसा देखा गया है कि जनजाति वर्ग के कुछ लोग आरक्षण ले रहे हैं, लेकिन जनजाति वर्ग से अपना धर्म बदल चुके हैं । ऐसी दोहरी चाल चलने वालों को कानून बनाकर आरक्षण की सुविधा से दूर रखा जाए । धन्यवाद ।